



नई दिल्ली □ ब्रोकरों, कोष प्रबंधकों □ व अन्य संस्थागत नविशकों की डीलिंग रूम गतिविधियों पर बाजार नियामक सेबी की नजर है और इन पर वेबसाइट आधारित सोशल नेटवर्किंग □ प्लव्हास व मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल के जरूरी शेरों के भाव में कृत्रिम उतार-चढ़ाव लाने का संदेह है □

सूत्रों ने कहा कि जहां डीलिंग कक्षों में व्यक्तिगत मोबाइल फोन का इस्तेमाल पहले से ही प्रतिबंधित है, कुछ ब्रोकरों व कोष प्रबंधकों को सोशल नेटवर्किंग □ व अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्मों पर सक्रिय पाया गया है □

डीलिंग रूम वह स्थान है जहां ग्राहकों की ओर से सौदे की जाते हैं □

उन्होंने कहा कि इससे भेदिया करोबार का जोखिम उजागर होता है □ ब्रोकरों व कोष प्रबंधकों को डीलिंग रूम में ग्राहकों से आर्डर लेने के लिए व्यक्तिगत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है □ वहीं दूसरी ओर, फंड हाउस व ब्रोकरेज फर्मों को सेबी द्वारा भावी जांच के लिए सभी ग्राहकों के क्लस के रिकॉर्ड सहेजकर रखने की जरूरत होती है □

(भाषा)